जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

Inside
page 04

इंदौर, बुधवार, 18 जून 2025

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

वर्ष -12, अंक-25

मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा आवेदनों के निपटारे से ही अपने खजाने में 144 करोड़ रुपए की कमाई कर ली गई है। प्राधिकरण ने 36285 आवेदनों का निपटारा कर दिया है। इस समय प्राधिकरण में 2635 आवेदन लंबित है।

आवेदनों के निपटारे से ida ने कमाएं 144 करोड़

36285 आवेदनों का कर दिया निपटारा

इस समय प्राधिकरण में 2635 आवेदन लंबित

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार हमेशा जनता की शिकायतों का समाधान करने में ही रुचि लेते हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान प्राधिकरण में एकल खिड़की की व्यवस्था को प्रभावी बनाया। इस व्यवस्था को बेहतर कर देने का परिणाम यह हुआ कि नागरिकों के द्वारा दिए जाने वाले आवेदन और उनका निपटारा होने का पूरा रिकॉर्ड ऑटोमेटिक तैयार होना शुरू हो गया। इस सिस्टम से अहिरवार को यह जानकारी भी मिल जाती है कि किस कार्य के कितने आवेदन लंबित है। ऐसे में आवेदन का निपटारा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को मोटिवेट करने का काम शुरू होता है।

अहिरवार के द्वारा प्राधिकरण में पदस्थ होने के बाद से चलाए जा रहे इस अभियान का असर क्या हुआ यह अब सामने आया है। 1 जून 2022 से लेकर 11 जून 2025 तक की अवधि में प्राधिकरण के द्वारा 36285 आवेदनों का निपटारा किया गया है। इन आवेदनों का निपटारा होने से आवेदन करने वाले नागरिकों को तो निश्चित तौर पर राहत मिली ही है लेकिन उसके साथ ही प्राधिकरण के खजाने को भी अतिरिक्त ऑक्सीजन मिली है। वैसे तो प्राधिकरण में पैसे की कभी कोई कमी रहती ही नहीं है। इसके बावजूद प्राधिकरण के अधिकारी अपने राजस्व की पूर्ति की दिशा में लगातार प्रयास करते हैं। यही कारण है कि प्राधिकरण के खजाने में धन भरा हुआ रहता है।

प्राधिकरण के द्वारा इन आवेदनों का निपटारा करने से उसके खजाने में 144 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जमा हुई है। निश्चित तौर पर यह राशि कोई बहुत कम राशि नहीं है। वैसे प्राधिकरण के कामों को यदि देखें तो उसके हिसाब से यह बहुत छोटी राशि है लेकिन इतनी राशि का आवेदनों से ही राजस्व संग्रहण कर लेना निश्चित तौर पर प्राधिकरण के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

अहिरवार ने बताया कि इस समय प्राधिकरण में 2635 आवेदन लंबित है। यह वे आवेदन है जो की आम नागरिकों के द्वारा एकल खिड़की पर जाकर लगाए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा 1091 आवेदन भूखंड अथवा भवन के ट्रांसफर के हैं। इस तरह के आवेदन के निपटारे के लिए एक निश्चित प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने में समय जरूर लगता है लेकिन आवेदन का निपटारा हो जाता है। इन सभी मामलों में भी इस प्रक्रिया के तहत काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा 722 आवेदन फ्री होल्ड के लंबित है। इन आवेदनों का भी निपटारा करने के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। बहुत तेजी के साथ आने वाले समय में इन सभी आवेदनों का निपटारा कर दिया जाएगा।

वर्षा काल में यातायात बाधित न हो - आयुक्त

आयुक्त द्वारा मधु मिलन चौराहा में जल निकासी कार्य एवं पेचवर्क कार्य का निरीक्षण

आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा आगामी वर्षा कल को दृष्टिगत रखते हुए वर्षा ऋतु के दौरान मधु मिलन चौराहे पर जल निकासी हेतु किए गए स्ट्रॉम वाटर लाइन कार्य का निरीक्षण किया गया, आयुक्त द्वारा जल निकासी के शेष कार्य को भी आज रात्रि में ही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही आयुक्त श्री वर्मा द्वारा मधु मिलन चौराहा छावनी क्षेत्र में किए गए पेंचवर्क व डामरीकरण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, श्री नरेंद्र नाथ पांडे, अधीक्षण यंत्री श्री डी आर लोधी, झोनल अधिकारी श्री गीतेश तिवारी, श्री सत्येंद्र राजपूत ,श्री पराग अग्रवाल एवं अन्य उपस्थित थे।

अहिरवार की कार्यशैली से भले ही आईडीए के अधिकारी कर्मचारी खुश न हों लेकिन आम लोग सीईओ के त्वरित निर्णय से खुश होकर जाते हैं। सीईओ आम लोगों से कभी भी कहीं भी मिलने जुलने में कोई परहेज नहीं करते हैं। ज्यादा से ज्यादा समय अपने कार्यालय में देते हैं और समस्या लेकर आने वालों की समस्या का त्वरित निर्णय करते हैं। प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों को यह उचित नहीं लगता है क्योंकि सीईओ किसी भी काम को पेंडिंग रखने का मौका ही नहीं देते हैं । काम लटकाने वाले अधिकारी कर्मचारी को फाइल लेकर अपने केबिन में शिकायतकर्ता के सामने ही बुला लेते हैं। अहिरवार के आने के बाद प्राधिकरण की कार्यशैली में काफी सुधार हुआ है।

राइजिंग इंदौर अब risingindore.com और MAGZTER.com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

23 करोड़ का पुल बनाने के लिए हटाना पड़ेगी 12 करोड़ की लाइनें

बड़ा गणपति चौराहा पर फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण बना महंगा सौदा

राइजिंग इन्दौर
■ विपिन नीमा

इंदौर। शहर में फ्लाय ओव्हर ब्रिज की संख्या बढ़ती जा रही है। इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए भंवरकुआ, फूटीकोठी, खजराना और लवकुश फ्लाय ओव्हर ब्रिज के लोकार्पण होने के बाद इंदौर विकास प्राधिकरण शहर के पश्चिम क्षेत्र बड़ागणपति चौराहे पर फ्लाई ओव्हर ब्रिज बनाने का प्लान तो तैयार कर लिया है, लेकिन बड़ागणपति चौराहे के मध्य सीवर ट्रंक लाइन और नर्मदा लाइन गुजर रही है। इन दोनों लाइनों को शिफ्ट करने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। आईडीए को लाइन शिफ्टिंग के लिए निगम को 12 करोड़ रुपए का भुगतान करना पड़ेगा। आईडीए ने इसके पेटे टैंडर लगाने के लिए निगम को लगभग ढाई करोड़ रुपए का पैमेंट भी कर दिया है। उधर नगर निगम ने टैंडर जारी करते हुए वर्क आर्डर भी जारी कर दिया है। अब बड़ा गणपति चौराहे पर जल्द ही नर्मदा और सीवर ट्रंक लाइन की शिफ्टिंग का काम शुरू हो जाएगा।

नगर निगम लाइन की शिफ्टिंग के लिए होगी खुदाई
आईडीए - खुदाई के बाद ब्रिज का काम शुरू होगा
मेट्रो कम्पनी वेयर हाउस की जमीन पर अंडरग्राउंड का काम शुरू करेगी

तीन विभागों का काम चलेगा बड़ा गणपति चौराहे पर

आने वाले दिनों में बड़ा गणपति चौराहे और उसके आसपास के क्षेत्र से गुजरने में वाहन चालकों काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इस चौराहे पर कुछ ही दिनों के बाद तीन विभागों का काम शुरु होने वाला है।

» नगर निगम चौराहे के मध्य से गुजर रही नर्मदा और सीवर लाइन की शिफ्टिंग के लिए सड़क की खुदाई शुरु करेगा।
» वहीं ब्रिज के निर्माण के लिए आईडीए की भी तैयारी शुरु हो जाएगी।
» इसी चौराहे पर स्थित वेयर हाउस की जमीन पर मेट्रो कम्पनी भी अंडरग्राउंड मेट्रो का काम शुरू करने वाली है। कुल मिलाकर बड़ा गणपत चौराहे के चारों तरफ विकास कार्य चलेगा।

अंतिम चौराहे की तरफ से जिंसी की तरफ उतरेगा

जानकारी के मुताबिक बड़ागणपति चौराहे पर बनने वाले फ्लायओव्हर ब्रिज के लिए प्लान तैयार किया गया है। उसके मुताबिक लगभग 600 मीटर लम्बा होगा और इसकी चौड़ाई लगभग 12 मीटर रहेगी और 4 लेन होगा। लगभग 33 करोड़ रुपए की लागत से ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। आईडीए की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक बड़ा गणपति चौराहे से प्रतिदिन लगभग 1 लाख वाहनों की आवाजाही रहती है। यानी हर घंटे 10 हजार वाहन आते जाते है। इस चौराहे पर सुबह करीब 11 बजे से दोपहर एक बजे तक तथा शाम को 5 बजे से 8 बजे तक वाहनों का सर्वाधिक दबाव रहता है। इस फ्लाईओवर पर दोनों तरफ फुटपाथ भी बनाए जाएंगे। ब्रिज अंतिम चौराहे की तरफ से जिंसी की तरफ उतरेगा। इस फ्लाईओवर से एयरपोर्ट रोड की तरफ से आने वाला यातायात बिना बाधा के पोलोग्राउंड की तरफ निकल जाएगा। इस ब्रिज के बनने से एयरपोर्ट की तरफ आने जाने वाले वाहन चालकों को काफी सुविधा होगी।

लाइन की शिफ्टिंग के लिए निगम ने जारी किया वर्क आर्डर

आईडीए के अधिकारियों ने बताया की बड़ा गणपति चौराहे पर ब्रिज बनाने की तैयारी तो कर ली है, लेकिन निगम ने आईडीए को जानकारी से अवगत कराया है कि चौराहे के मध्य में नर्मदा पाइन लाइन और सीवर ट्रंक लाइन गुजर रही है। इसको पहले शिफ्ट किया जाएगा। इसके बाद ही ब्रिज का निर्माण शुरू हो सकेगा। अधिकारियों ने बताया की दोनों लाइनों को वहां से हटाकर दूसरी और शिफ्ट करने के लिए लगभग 12 करोड़ रुपया खर्च होगा। आईडीए और नगर निगम के बीच पत्र व्यवहार होने के बाद आईडीए ने निगम को टैंडर बुलवाने के लिए ढाई करोड़ रुपए दे दिया है। आईडीए बची हुई राशि निगम के खाते में जमा कर देगा। उधर नगर निगम के अधिकारियों ने बताया की उसने टैंडर प्रक्रिया पूरी करते हुए वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया है। निगम जल्द ही बड़ा गणपति चौराहे के मध्य लाइन शिफ्ट करवाने के लिए खुदाई का काम शुरू कर रहा है।

चार साल पहले बनना था बड़ा गणपति चौराहा पर FOB

चार साल पहले ही बड़ागणपति चौराहे पर फ्लाय ओवहर ब्रिज बनाने की तैयारी की जा चुकी थी, लेकिन बीच में मेट्रो प्रोजेक्ट आने की वजह से फ्लाय ओव्हर प्रोजेक्ट को होल्ड पर रख दिया गया था। अब सारी स्थितियां क्लीयर हो चुकी है। बड़ागणपति चौराहे पर प्रस्तावित यह ब्रिज लगभग 600 मीटर लम्बा और 12 मीटर चोड़ा होगा। ब्रिज को बनाने में लगभग 23 करोड़ रुपए की लागत लाएंगी और यह 3 लेन का होगा।

ब्रिज के बनने से एयरपोर्ट पहुंचने में नहीं आएंगी परेशानी

आधिकारिक तौर पर मिली जानकारी के मुताबिक इंदौर विकास प्राधिकरण ने गत दिनों बड़ा गणपति फ्लाय ओवर ब्रिज की टैंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है। ब्रिज के निर्माण के लिए आईडीए ने ठेकेदार कम्पनी को ठेका दे दिया है। यह ब्रिज फोर लेन का होगा। आईडीए द्वारा कराए गए सर्वे के मुताबिक खालसा कॉलेज से जिंसी की ओर प्रति घंटे 3000 वाहन आते हैं। ब्रिज के बनने से यह दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा।

प्राधिकरण के सीईओ ने लगाई ठेकेदार कंपनी को फटकार

सीनियर सिटीजन काम्पलेक्स जल्द शुरू करें

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा निर्मित किए गए सीनियर सिटीजन परिसर का संचालन जल्द से जल्द शुरू किया जाए। इस परिसर को जल्द शुरू करने के लिए प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार ने ठेकेदार कंपनी को जोरदार फटकार लगाई है।

इंदौर विकास प्राधिकरण की योजना क्रमांक 134 स्थित सीनियर सिटीजन कॉम्प्लेक्स को शुरू करने में ida ने तो कोई कसर नहीं छोड़ी है। लेकिन ठेकेदार फर्म पोर्टल बालाजी सेंट्रल ने इसे संचालित करने में तय समय सीमा के बावजूद भी काफी ज्यादा देरी कर दी है। लिहाजा इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार ने शुक्रवार को यहां का निरीक्षण किया और संबंधित ठेकेदार कंपनी कर्ताधर्ता को जमकर फटकार लगाई। दरअसल मुख्य कार्यपालिक अधिकारी राम प्रकाश अहिरवार ने शहर के बुजुर्गो के लिए एक ऐसे कॉम्प्लेक्स को शुरू करने की पहल की हैं जिसमें सीनियर सिटीजन को उनके मुताबिक लंच, डीनर, स्वास्थ्य संबंधित सभी सेवाएं, ध्यान योग, भजन कीर्तन

तक यही मिल सकेंगे। Ida सीईओ आरपी अहिरवार के उक्त नवाचार की देशभर में तारीफें हो रही है। लेकिन ठेकेदार फर्म पोर्टल बालाजी सेंट्रल द्वारा अभी भी उक्त कॉम्प्लेक्स को शुरू करने में देरी की जा रही हैं। लिहाजा शुक्रवार को सीईओ अहिरवार ने ठेकेदार फर्म को स्पष्ट निर्देश दिए है कि अगले 30 दिनों में उक्त कॉम्प्लेक्स की शुरुआत हो जानी चाहिए। नहीं तो फिर ida उचित ठोस कदम उठाएगा।

किराए पर मिलेगी हर सुविधा

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाए गए, सीनियर सिटीजन कॉम्पलेक्स में सीनियर सिटीजन को ध्यान रखते हुए उनसे जुड़ी तमाम सुविधाओं का ख्याल रखा गया है। जिसके लिए उक्त सीनियर सिटीजन कॉम्पलेक्स में वन BHK कुल 10 फ्लैट्स और TWO BHK कुल 22 फ्लैट्स उपलब्ध कराए जा रहे है। जिसे बुजुर्ग किराए पर ले सकेंगे। जिसका किराया भी IDA द्वारा काफी कम रखा गया है।

चौड़ाई के विवाद में इंदौर की तीसरी सड़क उलझी

दो सड़कों पर निगम के नेताओं ने काम कर दी चौड़ाई तो भी शुरू नहीं हो पा रहा है काम

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर शहर की तीसरी सड़क भी चौड़ाई के विवाद में उलझ गई है। नगर निगम के द्वारा सुभाष मार्ग और छावनी की सड़क पर चौड़ाई कम करने का फैसला लिया गया। यह फैसला नेताओं ने लिया और अधिकारी इस फैसले को मानने के लिए तैयार नहीं है। इस स्थिति के चलते हुए यह दोनों सड़क उलझ गई है। अब चंदन नगर से कालानी नगर तक बनने वाली सड़क भी इसी चौड़ाई के विवाद में समाती हुई नजर आ रही है।

चंदन नगर से कालानी नगर तक बनने वाली लिंक रोड की चौड़ाई को लेकर विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। रहवासी इस सड़क की चौड़ाई 60 फीट से कम कर 40 फीट करने की मांग कर रहे हैं जबकि नगर निगम 60 फीट रखना चाहता है। रहवासियों का कहना है कि नगर निगम ने मास्टर प्लान की सड़कों की चौड़ाई कम कर दी है तो फिर इस सड़क की चौड़ाई कम करने में क्या दिक्कत है।

इधर निगम के जिम्मेदार कह रहे हैं कि यह सड़क चंदन नगर और एयरपोर्ट रोड का ट्रैफिक कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रहवासियों को समझना चाहिए कि इस सड़क के बनने के बाद उनके मकान व्यावसायिक हो जाएंगे। संपत्तियों का बाजार भाव भी बढ़ जाएगा। नगर निगम ने जिन लोगों के मकान चौड़ीकरण में शत-प्रतिशत जा रहे हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना में फ्लैट देने की घोषणा भी कर दी है। इस पर

चंदन नगर से कालानी नगर की रोड भी चौड़ाई के विवाद में उलझी

रहवासियों का कहना है कि चौड़ाई कम कर दी जाए तो उनके मकान पूरे जाने से बच जाएंगे। रहवासी अब इस मामले को न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

80 से ज्यादा मकान पूरे के पूरे जा रहे हैं

अब तक हुए सर्वे के अनुसार चंदन नगर-कालानी नगर लिंक रोड को 60 फीट चौड़ा बनाए जाने की स्थिति में करीब 150 मकान प्रभावित हो रहे हैं। इनमें से 80 से ज्यादा मकान पूरे के पूरे चौड़ीकरण की जद में आ रहे हैं।

रहवासियों का कहना है कि चौड़ाई 60 से कम कर 40 फीट कर दी जाए तो ज्यादातर मकान बच जाएंगे। अगर नगर निगम चौड़ाई कम करने को लेकर सहमत हो जाता है तो रहवासी चौड़ीकरण की जद में आ रहे निर्माण स्वच्छता से हटा लेंगे।

नहीं माने तो हम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे

पार्षद पति रफीक खान का कहना है कि हमने इस संबंध में महापौर और कैबिनेट मंत्री से मुलाकात का समय मांगा है। उम्मीद है कि शनिवार को हमारी मुलाकात हो जाएगी। हम अपनी बात कैबिनेट मंत्री के समक्ष रखेंगे। खान ने कहा कि जब मास्टर प्लान की सुभाष मार्ग और छावनी सड़क की चौड़ाई कम की जा सकती है तो फिर इस सड़क की क्यों नहीं।

यह है सड़क

चंदन नगर से एयरपोर्ट के लिए सीधी कनेक्टिविटी के लिए नगर निगम चंदन नगर से कालानी नगर तक 60 फीट चौड़ी लिंक रोड बनाने जा रहा है। महापौर परिषद सम्मेलन में इस पर स्वीकृति की मुहर भी लग चुकी है। यह सड़क चंदन नगर चौराहा से नगीन नगर, नंदन नगर कालानी नगर होते हुए एयरपोर्ट रोड तक बनाई जाना है। इसमें कालानी नगर का हिस्सा पहले से बना हुआ है। जिन लोगों के मकान शत-प्रतिशत चौड़ीकरण में जा रहे हैं, उन्हें नगर निगम प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास उपलब्ध कराने की बात कर रहा है।

फ्री में देना होंगे फ्लैट

नगर निगम को प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट फ्री में देना होंगे। कुछ सप्ताह पहले ही आरई-2 को लेकर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ इस संबंध में स्पष्ट दिशा निर्देश दे चुकी है। कोर्ट ने आरई-2 की जद में आ रहे लीजधारकों को निःशुल्क आवास उपलब्ध कराने के आदेश दिए थे।

पानी की निकासी के लिए सड़क के बीच में लगा दी जालियां...

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर नगर निगम के द्वारा मधु मिलन चौराहे को बर्बाद करने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है। इस चौराहे का यातायात तो पूरी तरह से बिगड़ चुका है। अब नगर निगम के द्वारा बारिश के मौसम में इस चौराहे पर आने वाले पानी की निकासी के लिए सड़क के बीच में जालियां लगा दी गई है।

इंदौर नगर निगम की ट्रेफिक इंजीनियरिंग कितनी अच्छी है उसका ताजा प्रदर्शन मधु मिलन चौराहे पर किया गया है। बहुत व्यवस्थित तरीके से सालों पहले बने हुए इस चौराहे को नगर निगम के द्वारा तोड़ दिया गया। इसके बाद निगम के अधिकारियों ने इस चौराहे पर प्रयोग करना शुरू किया। चौराहे पर इतने प्रयोग किए गए कि यहां का यातायात पूरी तरह से बिगड़ गया। इस चौराहे पर बारिश के मौसम में पानी का जमाव नहीं हो इसके

लिए नगर निगम के द्वारा अब सड़क के बीचो-बीच जलियां लगा दी गई है।

गत दिवस नगर निगम के आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा आगामी वर्षा काल को दृष्टिगत रखते हुए वर्षा ऋतु के दौरान मधु मिलन चौराहे पर जल निकासी हेतु किए गए स्ट्रॉम वाटर लाइन कार्य का निरीक्षण किया गया। आयुक्त द्वारा जल निकासी के शेष कार्य को भी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

मधु मिलन चौराहे को बर्बाद करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है निगम

क्या कर रहे हैं जनप्रतिनिधि

इस चौराहे की बदहाल स्थिति के कारण सुबह से लेकर रात तक वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है। इस स्थिति में जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि क्या कर रहे हैं, यह सभी की समझ से परे है। इन जनप्रतिनिधियों को अपने निजी कार्यों से इतनी फुर्सत ही नहीं मिल पा रही है कि वह जनता को हो रही समस्या की तरफ ध्यान दे सकें। यह पूरा चौराहा बर्बाद हो गया लेकिन कोई शहरी विकास विशेषज्ञ, गणमान्य नागरिक, बुद्धिजीवी अथवा नेता नगरी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं रही।

संपादकीय...

बारिश के मौसम को देखते हुए सावधानी जरूरी

मानसून का इंदौर में आगमन होने की स्थिति बनी हुई है। अब कभी भी मानसून दस्तक दे सकता है। इसके साथ ही इस बारिश के मौसम में सामने आने वाली समस्याओं को लेकर गंभीरता आवश्यक है। जिन सड़कों पर पानी भरा जाता है और लोगों के लिए आना-जाना मुश्किल हो जाता है वहां पर पानी की निकासी की व्यवस्था की जाना चाहिए। इस व्यवस्था के लिए अब तक कई बार निर्देश को दिए जा चुके हैं लेकिन नतीजा क्या होगा यह तो आने वाले दिनों में ही मालूम पड़ेगा। इसके साथ ही बारिश का मौसम में दूसरी सबसे बड़ी समस्या बिजली की होती है। इस बार तो बारिश आने के पहले ही यह समस्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि लोगों के लिए मुश्किल हालात पैदा हो गए हैं। जब पूरी रात बिजली नहीं होती है तो फिर गर्मी के बीच घर में समय बिताना कितना मुश्किल होता है यह तो वही जानते हैं जिन्हें इन हालात का सामना करना पड़ा है। अब इस स्थिति को बदलने के लिए परिणाम मूलक कार्य किए जाने की आवश्यकता है।

■ गौरव गुप्ता

अनरजिस्टर्ड विक्रय समझौता मालिकाना हक प्रदान नहीं करता : सुप्रीम कोर्ट

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

अपंजीकृत विक्रय समझौता व्यक्ति को वैध मालिकाना हक प्रदान नहीं करता, सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में एक ऐसे व्यक्ति को बेदखली से इनकार कर दिया, जिसने अपंजीकृत बिक्री समझौता के आधार पर मालिकाना हक और कब्जा मांगा था। जिसमें प्रतिवादियों (खरीदारों) ने मूल भूस्वामियों के जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी धारक द्वारा निष्पादित 1982 के बिक्री समझौता के आधार पर स्वामित्व का दावा किया था। हालांकि, रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1908 के तहत अनिवार्य रूप से पंजीकरण योग्य दस्तावेज़ होने के बावजूद बिक्री समझौता रजिस्टर्ड नहीं है। प्रतिवादी ने तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम लिमिटेड द्वारा बेदखली से सुरक्षा मांगी। एकल जज ने प्रतिवादी के साथ-साथ विभिन्न भूमि धारकों के मुकदमे की संपत्ति पर स्वामित्व और टाइटल पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया कि टाइटल का प्रश्न रिट कार्यवाही में नहीं बल्कि सिविल मुकदमे में तय किया जा सकता है। अपीलकर्ताओं (मूल भूमि मालिकों के कानूनी वारिसों) ने तेलंगाना हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को चुनौती दी, जिसने TSIIC को प्रतिवादियों को बेदखल करने से रोक दिया था।

अदालत ने कहा, विवादित निष्कर्षों को दरकिनार करते हुए जस्टिस चंद्रन द्वारा लिखित निर्णय में सूरज लैंप एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड बनाम हरियाणा राज्य और अन्य (2012) 1 एससीसी 656 पर भरोसा करते हुए कहा गया कि अपंजीकृत समझौता वैध टाइटल प्रदान नहीं करते हैं। चूंकि 1982 का समझौता रजिस्टर्ड नहीं है, इसलिए प्रतिवादी को मुकदमे की संपत्ति पर अच्छा टाइटल प्रदान करने वाला नहीं कहा जा सकता है, जिससे उसे बेदखली से सुरक्षा का दावा करने से रोक दिया जाता है। अदालत ने आगे कहा, हमें 19.03.1982 के दस्तावेज की जांच करनी चाहिए, एक समझौता जिसके बारे में कहा जाता है कि उसे वर्ष 2006 में वैध किया गया। हम तुरंत देखते हैं कि रिट याचिकाकर्ताओं का तर्क केवल इतना है कि उन्होंने भवना सोसाइटी से रजिस्टर्ड सेल डीड द्वारा उचित हस्तांतरण प्राप्त किया, जिसका दावा 1982 के समझौते के तहत है, जिसे आज तक रजिस्टर्ड नहीं किया गया। इसलिए इसे अचल संपत्ति के हस्तांतरण के वैध तरीके या साधन के रूप में मान्यता नहीं दी जा सकती है।

अदालत ने टिप्पणी की, जहां तक बेदखल न करने के निर्देश के लिए प्रार्थना करने वाली रिट याचिका का सवाल है, हम पाते हैं कि रिट याचिकाकर्ताओं (प्रतिवादी) ने वैध टाइटल स्थापित नहीं किया। हम प्रथम दृष्टया टाइटल को संदिग्ध पाते हैं, जो उन्हें वैध कब्जे का दावा करने से वंचित करेगा, जिसे भी साबित नहीं किया गया। उपर्युक्त के संदर्भ में, अदालत ने बेदखल करने से सुरक्षा प्रदान न करने के हाईकोर्ट के एकल पीठ के निर्णय को बहाल किया, जबकि खंडपीठ के आदेश (जिसने बेदखल करने पर रोक लगाई थी) को अलग रखा। Case Title: MAHNOOR FATIMA IMRAN & ORS. VERSUS M/S VISWESWARA

कुछ समझौतों के लिए पंजीकरण (registration) कराना आवश्यक होता है, खासकर अचल संपत्ति (immovable property) से संबंधित समझौतों।

पंजीकरण की आवश्यकता-

भारत में, अचल संपत्ति के बिक्री समझौते का पंजीकरण अनिवार्य है।

समझौते को पंजीकृत न करने पर कानूनी परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि अदालत में दस्तावेज को सबूत के तौर पर इस्तेमाल न कर पाना।

हालांकि, कुछ मामलों में, जैसे कि समझौता डिक्री (compromise decree) में, पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होती है, यदि कुछ शर्तों को पूरा किया जाता है।

पंजीकरण क्यों आवश्यक है-

पंजीकरण यह सुनिश्चित करता है कि समझौता कानूनी रूप से मान्य है और पक्षों के अधिकारों और कर्तव्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है। यह भविष्य में होने वाले कानूनी विवादों से बचने में मदद करता है।

अन्य प्रकार के समझौते- चल संपत्ति (movable property) से संबंधित समझौतों के लिए पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होती है। हालांकि, सभी समझौतों को लिखित रूप में होना चाहिए और पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिए, भले ही वे पंजीकृत न हों।

सोनम ने क्या वचन दिया था और क्या किया...

इंदौर के राजा रघुवंशी मर्डर केस की जांच के बीच एक और वीडियो सामने आया है, इसमें राजा और सोनम दोनों शादी के बाद रिसेप्शन के दौरान काफी खुश दिख रहे हैं। वीडियो में देखा और सुना जा सकता है कि मंच का संचालन कर रहा शख्स दोनों से कुछ सवाल करता है और एक दूसरे को वचन दिलाता है।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इस दौरान सोनम कहती है, मैं सोनम वचन देती हूं कि शादी के बाद ये अपने दोस्तों के साथ कहीं भी जाए, कहीं भी पार्टी करे, कहीं भी मुंह काला करे, ये सवाल नहीं करुंगी कि कहां थे, कहां गए थे। राजा को मॉडरेटर वचन दिलाता है। इसमें राजा कहता है कि मैं साल में एक बार वर्ल्ड टूर पर ले जाऊंगा। सोनम और राजा दोनों इस दौरान काफी खुश दिखाई दे रहे हैं और खूब हंसते हैं।

हत्या के मामले में पांच लोगों की हुई है गिरफ्तारी

राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में मेघालय पुलिस ने सोनम समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को पुलिस राज कुशवाहा को छोड़कर अन्य 4 आरोपियों को उस जगह ले गई, जहां पर शिलॉन्ग में राजा की हत्या हुई थी। पुलिस सीन रिक्रिएट करेगी।

सोनम और राजा की 11 मई को इंदौर में शादी हुई थी। इसके बाद 20 मई को दोनों हनीमून मनाने के लिए मेघालय के शिलॉन्ग गए। 23 मई को दोनों लापता हो गए। इसके बाद 2 जून को राजा की लाश मिली। इसके बाद पुलिस ने सोनम की तलाश तेज की, 8-9 जून को अचानक सोनम यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे से कॉल की।

इसी दौरान उसके कथित बॉयफ्रेंड राज कुशवाहा समेत तीन अन्य विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान तीनों ने हत्या की बात कबूली है। राजा और सोनम पर हत्या के लिए सुपारी देने का आरोप है। पुलिस ने वो हथियार भी बरामद कर लिया है, जिससे राजा की हत्या की गई।

सेहत के लिए फायदेमंद है अजवाइन का पानी

लेकिन इन 5 बीमारियों में इसे पिएंगे तो ये बन जाएगा ज़हर

आयुर्वेदिक और यूनानी दवाओं के एक्सपर्ट डॉक्टर सलीम जैदी ने बताया अजवाइन में सूजन को कंट्रोल करने वाले और दर्द से निजात दिलाने वाले गुण मौजूद है। जिन लोगों का यूरिक एसिड हाई रहता है अगर वो रोज अजवाइन का पानी पी लें तो दर्द और सूजन से राहत मिलेगी।

डायटीशियन, न्यूट्रीशनिस्ट और ऑनलाइन फिटनेस कोच डॉक्टर आरती मेहरा ने बताया सेहत के लिए उपयोगी अजवाइन का पानी अगर कुछ बीमारियों में पिया जाएं तो ये बॉडी को बीमार बना सकता है।

अजवाइन के छोटे-छोटे दाने जिसे कैरम सीड्स भी कहा जाता है, उसकी गिनती मसालों में होती है। अजवाइन का तीखा स्वाद और भिनी-भिनी खुशबू खाने का स्वाद और सुगंध दोनों में इजाफा करती है। अजवाइन में थायमोल नामक यौगिक मौजूद होता है जो एंटीबैक्टीरियल और पाचन-संबंधी गुणों के लिए जाना जाता है। अजवाइन सिर्फ मसाला नहीं है बल्कि ये औषधीय गुणों से भरपूर मसाला है जिसका सेवन कई बीमारियों का इलाज करने में किया जाता है। अजवाइन का सेवन अक्सर लोग खाने में करते हैं। इसके औषधीय गुणों के ध्यान में रखते हुए लोग इस मसाले को कच्चा चबा लेते हैं। अजवाइन पानी के फायदे और इसे पीने का सही तरीका।

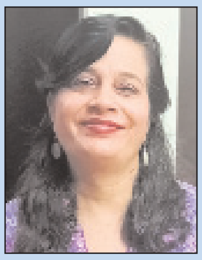
डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

1. डाइजेशन को बेहतर बनाता है

इसमें मौजूद थाइमोल कंपाउंड पाचन एंजाइम्स को एक्टिवेट करता है, जिससे खाना जल्दी पचता है और पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होती हैं।

रोजाना खाने के बाद गुनगुना अजवाइन पानी पीने से पेट में गैस नहीं बनती और एसिडिटी से राहत मिलती है। यह आंतों की सफाई करके कब्ज को दूर करता है और डाइजेस्टिव सिस्टम को हेल्दी बनाए रखता है।

2. वजन घटाने में फायदेमंद

अगर आप तेजी से वजन कम करना चाहते हैं, तो रोजाना खाली पेट अजवाइन पानी पीना शुरू करें। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करके शरीर की फैट बर्निंग प्रोसेस को बढ़ाता है। खासतौर पर यह पेट और कमर की चर्बी को कम करने में बहुत असरदार है।

अजवाइन पानी शरीर में जमे हुए टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है, जिससे डाइजेशन बेहतर होता है और वजन जल्दी घटता है। यह भूख को कंट्रोल करने में भी मदद करता है, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है।

3. सर्दी-जुकाम और गले की खराश से राहत

अजवाइन में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं, जो सर्दी-जुकाम और गले की खराश को ठीक करने में मदद करते हैं। अगर आपको बार-बार नाक बंद, गला खराब या कफ की समस्या होती है, तो गर्म अजवाइन पानी पीना एक बेहतरीन उपाय है।

अजवाइन पानी के साथ भाप लेने से बंद नाक खुलती है और सांस लेने में आसानी होती है। यह शरीर से बलगम बाहर आ निकालने में भी मदद करता है।

4. ब्लड सर्कुलेशन को सुधारता है

अगर आपका ब्लड सर्कुलेशन सही नहीं रहता या आपको बार-बार हाथ-पैर सुन्न होने या कमजोरी महसूस होने की शिकायत रहती है, तो अजवाइन पानी पीना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

अजवाइन पानी रक्त संचार को सुधारता है, जिससे शरीर के सभी अंगों को सही मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्व मिलते हैं। यह हृदय को स्वस्थ रखता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

कैसे पिएं?

रोज़ाना सुबह खाली पेट और रात को सोने से पहले आधा छोटा चम्मच अजवाइन पानी में भिगोकर और गुनगुना कर अजवाइन पानी पिएं।

इससे शरीर में रक्त संचार सही रहेगा और दिल की बीमारियों का खतरा कम होगा।

5. त्वचा को साफ और चमकदार बनाता है

अगर आपकी स्किन पर मुंहासे, पिंपल्स या दाग-धब्बे हैं, तो अजवाइन पानी पीना शुरू करें। यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालकर स्किन को अंदर से साफ करता है।

अजवाइन पानी पीने से ब्लड प्यूरिफाई होता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आता है और स्किन हेल्दी दिखती हैं।

6. इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

अजवाइन में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो शरीर को संक्रमण और बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। यह रोग प्रतिरोधक

क्षमता को बढ़ाकर शरीर को हेल्दी और एक्टिव बनाए रखता है।

अगर आपको जल्दी-जल्दी सर्दी-जुकाम, कमजोरी या वायरल इंफेक्शन होता है, तो रोजाना गुनगुना अजवाइन पानी पीना शुरू करें।

इसे रोज सुबह खाली पेट पिएं।

बदलते मौसम में इसे शहद के साथ लेने से शरीर को ज्यादा फायदा मिलता है।

निम्न बीमारियों में अजवाइन खाने के नुकसान

अजवाइन के स्वास्थ्य लाभ अनगिनत हैं, लेकिन इसका अत्यधिक सेवन कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है

1. ज्यादा सेवन से एसिडिटी बढ़ सकती है

अजवाइन में थाइमोल और अन्य एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो पाचन को बेहतर बनाते हैं। लेकिन अगर इसका अत्यधिक सेवन किया जाए तो यह पेट में एसिडिटी और जलन का कारण बन सकता है। अगर आपको पहले से एसिडिटी या अपच की समस्या है, तो अजवाइन का सेवन सावधानी से करें।

2. प्रेग्नेंसी में नुकसानदायक

गर्भवती महिलाओं के लिए अजवाइन का अधिक सेवन हानिकारक हो सकता है। यह गर्भाशय की मांसपेशियों को संकुचित कर सकता है, जो मिसकैरेज का कारण बन सकता है। इसीलिए गर्भावस्था के दौरान अजवाइन का सेवन कम से कम करना चाहिए या डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

3. लो ब्लड शुगर की समस्या

अजवाइन का सेवन ब्लड शुगर लेवल को कम कर सकता है, जो डायबिटीज के मरीजों के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप इंसुलिन लेते हैं या ब्लड शुगर कम रखने की कोशिश कर रहे हैं, तो अजवाइन का सेवन सीमित मात्रा में ही करें और डॉक्टर से सलाह लें।

4. एलर्जी का कारण बन सकता है

कुछ लोगों को अजवाइन से एलर्जी हो सकती है, जिसके कारण स्किन रैशेज, खुजली या सांस लेने में समस्या हो सकती है। अगर आपको अजवाइन से एलर्जी होती है, तो इसे तुरंत बंद कर दें और चिकित्सक से संपर्क करें।

5. ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकता है

हाई ब्लड प्रेशर वाले व्यक्तियों को अजवाइन का अत्यधिक सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकता है। इसका सेवन सावधानी से करे।

6. आंतों में जलन हो सकती है

अजवाइन के अत्यधिक सेवन से आंतों में जलन हो सकती है, जिससे पाचन संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह खासकर उन लोगों को प्रभावित कर सकता है, जिन्हें पहले से गैस्ट्रिक, अल्सर या आंतों की समस्याएं हैं। इसलिए इसे समान्य मात्रा में ही खाएं।

क्या दो आजीवन कारावास की सजा संभव है?

सुप्रीम कोर्ट ने दोहरे हत्याकांड में दोषी को लगातार दो आजीवन कारावास देने की वैधता पर विचार करने का फैसला किया है। कोर्ट ने 2016 की संविधान पीठ के फैसले का हवाला देते हुए नोटिस जारी किया है। अब आठ हफ्ते में पक्षों को अपना जवाब दाखिल करना होगा।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा व जस्टिस मनमोहन की पीठ को बताया गया कि जुलाई 2016 में सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि कई हत्याओं या आजीवन कारावास से दंडनीय अन्य अपराधों के लिए आजीवन कारावास की कई सजाएं दी जा सकती हैं। लेकिन उन्हें लगातार चलाने का निर्देश नहीं दिया जा सकता।

पीठ ने कहा, इस प्रश्न पर नोटिस जारी किया जाता है कि क्या धारा 302 (दो बार) के तहत दंडनीय अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने पर लगातार आजीवन कारावास की सजा देना (संविधान पीठ के फैसले) में की गई टिप्पणियों के मद्देनजर वैध है। इस पर नोटिस पर आठ हफ्ते में जवाब दाखिल करना होगा।

मध्यप्रदेश के 100 गांवों की जमीन अधिग्रहण कर बनेगा ये नया एक्सप्रेसवे

ग्वालियर-आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जल्द बनेगा, जो मध्यप्रदेश, यूपी और राजस्थान को जोड़ेगा। 88.4 किमी का ये सिक्स-लेन हाईवे 4,263 करोड़ में तैयार होगा। ग्वालियर-मुरैना के 100, आगरा के 14 और धौलपुर के 30 गांवों की जमीन ली जाएगी। नवंबर 2025 से काम शुरू हो सकता है। ये हाईवे सफर, पर्यटन और एमपी के विकास को बढ़ावा देगा।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

ग्वालियर-आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे- 88.4 किमी लंबा सिक्स-लेन हाईवे मध्यप्रदेश, यूपी और राजस्थान को जोड़ेगा।

किसानों को मुआवजा- 220 करोड़ रुपये ग्वालियर-मुरैना, आगरा और धौलपुर के 144 गांवों के किसानों के लिए मंजूर।

निर्माण जल्द शुरू- नवंबर 2025 से 4,263 करोड़ के प्रोजेक्ट का काम शुरू होने की उम्मीद।

विकास को गति- हाईवे से सफर आसान, पर्यटन और एमपी की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा।

Greenfield Expressway- मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान को जोड़ने वाला ग्वालियर-आगरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जल्द शुरू होने वाला है। 88.4 किमी लंबा ये सिक्स-लेन हाईवे 4,263 करोड़ की लागत से बनेगा। इसके लिए एमपी के ग्वालियर और मुरैना के 100 गांवों, यूपी के आगरा के 14 गांवों और राजस्थान के धौलपुर के 30 गांवों की जमीन ली जाएगी। किसानों को 220 करोड़ का मुआवजा मंजूर हो चुका है।

किसानों को मुआवजा आवंटन के साथ ही होगी निर्माण की शुरुआत

NHAI और जीआर इंफ्रा इस प्रोजेक्ट को मिलकर अंजाम देंगे। किसानों की मुआवजे को लेकर कुछ शिकायतें थीं, जो अब सुलझ गई हैं। पैसा जल्द बंटेगा और नवंबर 2025 से निर्माण शुरू हो सकता है। ये हाईवे न सिर्फ सफर को आसान करेगा, बल्कि इलाके की तरक्की में भी बड़ा रोल निभाएगा। ये एक्सप्रेसवे ताजमहल जैसी जगहों तक पहुंच आसान करेगा, जिससे पर्यटक बढ़ेंगे। साथ ही, निर्माण से स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा। NHAI को बस जमीन अधिग्रहण का काम बाकी है, बाकी सारी मंजूरी मिल चुकी है।

सिक्स-लेन हाईवे की खास बातें

ये नया हाईवे बिना रुके ग्वालियर से आगरा तक सफर आसान करेगा। मुरैना या धौलपुर जाने वालों के लिए पुराना फोर-लेन रोड भी 2026 तक दुरुस्त हो जाएगा। ये प्रोजेक्ट एमपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करेगा और पर्यटन को बढ़ावा देगा।

जानिए अनुमानित समय सीमा और कब तक बन कर तैयार हो जाएगा ये ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे?

अगले छह महीनों में जमीन और फंडिंग का इंतजाम हो जाएगा। साथ ही पुराने ग्वालियर-आगरा रोड की मरम्मत भी चल रही है। ये प्रोजेक्ट एमपी को इन्फ्रास्ट्रक्चर में नया मुकाम दिलाएगा।

2 लाख नए पद बनाएगी सरकार

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिये 20 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति के लिये 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है।

वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाए जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किए गए हैं। पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठ लोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए merit cum seniority का प्रावधान किया गया है।

पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्ट रूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डी.पी.सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिये स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं। नवीन पदोन्नति नियमो में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है। इससे पदोन्नति के लिए अधिक पद हो सकेंगे। पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है।

चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की सेवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा।

यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा। यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जायेगी। अप्रत्याशित रिक्तियों को चयन सूची/प्रतीक्षा सूची से भरे जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शासकीय सेवक (जो आगामी वर्ष अर्थात पदोन्नति वर्ष में उपलब्ध नहीं होंगे) के पद के विरुद्ध पदोन्नति का प्रावधान किया गया है। गोपनीय प्रतिवेदनों में से यदि कोई गोपनीय प्रतिवेदन एन.आर.सी (नो रिपोर्ट सर्टिफिकेट), सक्षम स्तर से स्वीकृत अवकाश, पदग्रहण काल अथवा प्रशिक्षण के कारण है अथवा गोपनीय प्रतिवेदन में निर्धारित समय पर स्वमूल्यांकन के साक्ष्य है तो ऐसी स्थिति में गोपनीय प्रतिवेदन की अनुपलब्धता के आधार पर पदोन्नति नहीं रोकी जायेगी।

इस सप्ताह आपके सितारे
18 जून 2025 से 24 जून 2025

किसी का बढ़ेगा तनाव तो किसी का दुखेगा मन

मेष- इस सप्ताह मानसिक तनाव बढ़ने की संभावना है। कारोबार धीमा चलेगा। नौकरी पेशा परेशान हो सकते हैं। घर में कुछ नुकसान भी संभव है। जीवनसाथी का सुख अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध ठीक रहेंगे। संतान पक्ष सहयोग करेगा। मित्र साथ देंगे। शत्रु दबेंगे।

वृषभ- इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। मानसिक प्रफुल्लता रहेगी। जीवनसाथी यदा-कदा परेशान करेगा। कारोबार अथवा नौकरी में संतोष रहेगा। आवक होगी। व्यय कम होंगे। प्रेम संबंध मध्यम रहेंगे। मित्रगण ठीक-ठीक व्यवहार करेंगे। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। वाहन सावधानी से चलावें।

मिथुन-इस सप्ताह किसी का विपरीत व्यवहार मन को दुखा सकता है। मित्रों का सहयोग उत्तम रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। आय अच्छी होगी। व्यय भी खूब होगा। वाहन सुख उत्तम है। यात्रा को टालें। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। इस सप्ताह कोई लंबित कार्य होगा।

कर्क - इस सप्ताह जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं व्यवहार मध्यम रहेगा। प्रेम संबंधों के प्रति सावधान रहें। संतान पक्ष पीड़ित कर सकता है। नौकरी पेशा व्यक्ति खुश रहेंगे। आय अच्छी होगी। दूरस्थ कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। मित्र मंडली से शांति रहेगी। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्राओं को टालें।

सिंह-इस सप्ताह मानसिक तनाव कम होंगे। बहुप्रतीक्षित कोई कार्य होगा। मित्र सहयोग करेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा। प्रेम संबंध ठीक-ठीक रहेंगे। वाहन में टूट-फूट संभव है। संतान कुछ पीड़ित करेगी। विद्यार्थीगण परेशान रहेंगे। मान सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या-शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह ठीक नहीं। कारोबार में विघ्न आएंगे। संतान पक्ष ठीक रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग और व्यवहार आपको मानसिक सुकून देने वाला होगा।

तुला- शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से सप्ताह अच्छा रहेगा। संतान पीड़ित करेगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और व्यवहार ठीक रहेगा। प्रेम संबंधों में सावधानी रखें। शत्रु परास्त होंगे। मित्र सहयोग करेंगे। किसी शुभ कार्य होने की संभावना है। किसी से बेवजह विवाद न करें। भूमि वाहन से कष्ट।

वृश्चिक- इस सप्ताह मानसिक परेशानी ज्यादा रहेगी। किसी का विपरीत व्यवहार कष्ट देगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और सहयोग अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध फले फूलेंगे। संतान पक्ष पीड़ित करेगा। लाभ में कमी आएगी। कारोबार मध्यम रहेगा। वाहन सावधानी से चलावें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु- इस सप्ताह प्रेम संबंधों के प्रति बहुत अधिक सावधान रहें अन्यथा कोई परेशानी हो सकती है। माता का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा। वाहन से कष्ट होगा। विवादों से बचें। कारोबार अच्छा रहेगा। शत्रु दबेंगे। स्वयं का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यय अधिक होंगे।

मकर - किसी व्यक्ति के धनात्मक व्यवहार से आपको खुशी मिलेगी। घर में अमूमन शांति एवं प्रफुल्लता रहेगी। कारोबार अच्छा चलेगा। आवक भी अच्छी होगी किंतु बेवजह कुछ नुकसान संभव है। वाहन सुख श्रेष्ठ है। संतान पक्ष से कुछ कष्ट संभव है। विवादों से बचें।

कुंभ- इस सप्ताह संतान संबंधी कोई कार्य होगा। व्यय अधिक होगा। कारोबार की दृष्टि से सप्ताह श्रेष्ठ है। मित्रों का सहयोग अच्छा मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। भूमि संबंधी कोई कार्य होगा। वाहन सुख उत्तम। स्वास्थ्य की दृष्टि से धनात्मकता रहेगी।

मीन - इस सप्ताह किसी कार्य की कोई योजना फलीभूत होती दिखाई देगी। प्रेम संबंध खूब फले फूलेंगे। यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। व्यापार व्यवसाय की दृष्टि से धनात्मकता रहेगी। बेवजह के विवादों को टालें। आवक अच्छी होगी किंतु व्यय भी अधिक होंगे।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

- **सूर्य** - सूर्य मेष
- **चंद्र** -वृश्चिक से मकर
- **मंगल** - कर्क
- **बुध**-मीन
- **गुरु** - वृषभ
- **शुक्र** - मीन
- **शनि** - मीन
- **राहु**- मीन
- **केतु**-कन्या

थोड़ी बारिश में ही यहां मिलेगा नदी पार करने का आनंद

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इंदौर शहर में मामूली बारिश होने पर बहुत सारे स्थान ऐसे हैं जहां पर की काफी पानी जमा हो जाता है। कलेक्टर आशीष सिंह हो या महापौर पुष्यमित्र भार्गव हो, सभी ने नगर निगम के साथ अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर यह सुनिश्चित करने के लिए कह दिया है कि किसी भी हालत में बारिश के मौसम में कहीं भी पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। इस तरह की व्यवस्था को अंजाम दें जिससे की बारिश का पानी आसानी के साथ निकल सके। इन सारे निर्देशों के बावजूद अब तक जो काम किया गया है वह चिंता पैदा करने वाला है। पिछले दिनों जब मामूली बारिश हुई थी तब तीन इमली पुल के नीचे वाले क्षेत्र में ऐसा पानी का जमाव हुआ था कि उसमें से निकलना नदी पार करने के समान था। हो सकता है कि नगर निगम के अधिकारी शहर के नागरिकों को शहर के अंदर बारिश के मौसम में नदी पार करने का आनंद देने के लिए इस तरह की व्यवस्था को संजोए हुए हो....

नेकां - कांग्रेस में मतभेद, लाभ उठाने की तैयारी में भाजपा

जम्मू-कश्मीर में नेकां-कांग्रेस की जुगलबंदी बिखर रही है। बडगाम और नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव ने उमर सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। नगरोटा में समझौता न हुआ तो कांग्रेस गठबंधन से अलग हो सकती है। इन सीटों पर भाजपा की नजर है। प्रदेश में उपचुनाव से ठीक पहले राजनीतिक समीकरण बदल रहे हैं। नेशनल कान्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस की जुगलबंदी के सुर अब बिखरने लगे हैं। दोनों राजनीतिक दल नगरोटा में उपचुनाव लड़ने पर लगभग आमने-सामने आ गए हैं। न नेकां इस सीट से पीछे हटने को तैयार है और न ही कांग्रेस छोड़ने को राजी हो रही है।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

दरअसल, आम आदमी पार्टी के इकलौते विधायक ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। इसके बाद कांग्रेस भी टकराव के मूड में है। पूर्ण राज्य के दर्जे पर कांग्रेस के नेता मुखर हैं और मुख्यमंत्री को भी आंखें दिखा चुके हैं। नेकां के पास अपनी 41 सीटें हैं। इसके अलावा सरकार को कांग्रेस के छह, निर्दलीय सात और एक माकपा विधायक का समर्थन मिला है। समर्थकों की संख्या मिलाकर कुल 55 सीटें हुईं। अब कांग्रेस किसी भी सूरत में नगरोटा सीट को छोड़ने के लिए राजी नहीं है।

इस सीट पर उपचुनाव में नेकां अपना उम्मीदवार उतारती है तो कांग्रेस सरकार से समर्थन वापसी तक जा सकती है। ऐसे में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कांग्रेस समर्थन वापस लेती है, तो उमर सरकार के विधायकों की संख्या 49 रह जाएगी। इनमें सात का बड़ा आंकड़ा निर्दलीय विधायकों का होगा। नगरोटा सीट पर नेकां और कांग्रेस के टकराव का सीधा फायदा भाजपा को होगा। भाजपा ने भी उपचुनाव को लेकर अपने पत्ते खोल दिए हैं। इस बार पार्टी सीएम उमर के गढ़ में जाकर चुनौती देने के मूड में है। बडगाम सीट पर भाजपा अपना उम्मीदवार उतारने की तैयारी कर रही है। यहां अब तक नेकां और पीडीपी के बीच ही मुख्य मुकाबला होता रहा है।

अब कैसे हो सकते हैं चुनाव

चुनाव आयोग नगरोटा और बडगाम में अमरनाथ यात्रा के बाद उपचुनाव करवा सकता है। इन दोनों सीटों को खाली हुए छह माह का समय गुजर चुका है और किसी भी सीट को छह माह के बाद विशेष परिस्थितियों में ही खाली रखा जा सकता है। जनप्रतिनिधि अधिनियम 1951 में छह माह की अवधि के बाद सीट खाली रखने के दो प्रावधान हैं। इनमें पहला यदि खाली हुई सीट पर बकाया अवधि एक साल से कम हो। या फिर चुनाव आयोग यह तय कर दे कि प्रदेश के हालात को देखते हुए चुनाव करवाना मुश्किल है। जम्मू-कश्मीर पर फिलहाल दूसरा प्रावधान लागू है।

कांग्रेस नगरोटा में लड़ेगी चुनाव : शर्मा

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा का दावा है कि कांग्रेस नगरोटा की सीट पर चुनाव लड़ेगी और इसके लिए पार्टी लगातार तैयारी कर रही है। हालांकि अभी तक चुनाव आयोग ने तारीख घोषित नहीं की है। जैसे ही तारीख तय होगी उसके बाद पार्टी की गतिविधियां तेज हो जाएंगी।

धरातल पर काम कर रही भाजपा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सत शर्मा ने दोनों सीटों पर उपचुनाव लड़ने की बात कही है। भाजपा उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारेगी। नगरोटा सीट भाजपा की परंपरागत सीट है। इस सीट पर दोबारा जीत हासिल होगी। इसके अलावा बडगाम में भी पार्टी चुनाव लड़ेगी। यहां धरातल स्तर पर भाजपा के सदस्य काम कर रहे हैं।

दोनों सीटें जीतेगी नेकां : गुप्ता

नेशनल कान्फ्रेंस के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने कहा है कि पार्टी दोनों ही सीटों पर उपचुनाव लड़ने जा रही है। बडगाम की सीट मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खाली की है। जबकि, नगरोटा में पार्टी अपना उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि दोनों ही सीटों पर नेकां के उम्मीदवार चुनाव जीतेंगे।

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष भी हमलावर

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला ने बीते दिनों प्रधानमंत्री समेत मुख्यमंत्री को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा था कि सरकार में शामिल लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की बात कर रहे हैं, लेकिन यह कब तक पूरा होगा, यह कोई भी नहीं बता पा रहा है। कांग्रेस इस मुद्दे पर अब चुप नहीं बैठेगी।

अब मोबाइल ऐप से कंट्रोल होंगे बिजली के पोल...

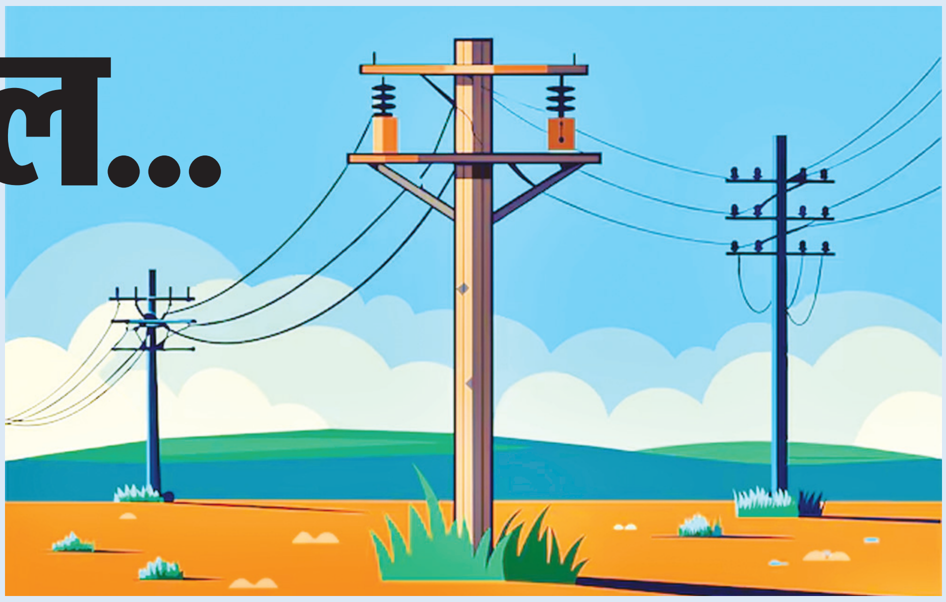

प्राधिकरण ने पहली बार मध्य प्रदेश में दिखाई तकनीकी दक्षता

इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा मध्य प्रदेश में पहली बार तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया गया है। प्राधिकरण के द्वारा अपनी योजनाओं में किस तरह के बिजली के पोल लगाए जा रहे हैं जो कि मोबाइल एप के माध्यम से कंट्रोल होंगे।

राइजिंग इन्दौर
रिपोर्टर

इंदौर विकास प्राधिकरण जहां अपनी टीपीएस योजनाओं में 1100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि इलेक्टिफिकेशन के कार्य पर खर्च कर रहा है, तो अभी उसने इंदौर ही नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश में पहली बार स्मार्ट पिक्सल स्ट्रीट लाइट पोल भी लगवाए। बिचौली हप्सी से कनाड़िया रोड आरई-2 के एक तैयार हिस्से पर 2 करोड़ रुपए की राशि खर्च कर ये हाईटेक पोल लगाए हैं, जो कि मोबाइल ऐप से कंट्रोल किए जा सकते हैं। खूबसूरत और आकर्षक रोशनी के साथ इसकी कलर और थीम भी बदली जा सकती है। जैसे उदाहरण के लिए 26 जनवरी और 15 अगस्त पर तिरंगे की थीम और उसी से जुड़े कलर इस पोल की लाइटों में नजर आएंगे।

एक तरफ नगर निगम के स्ट्रीट लाइट का जिम्मा है, मगर आए दिन इनमें से अधिकांश बंद भी रहती है, वहीं कई वर्ष पूर्व निगम ने चौराहे पर इलेक्ट्रिक पेड़ भी लगाए थे, जिसमें घोटाले के आरोप भी लगे और थोड़े ही दिन में ये पेड़ खराब भी हो गए। अब पहली बार प्राधिकरण ने आकर्षक स्ट्रीट लाइट लगवाई है, जिसका अभी सफल परीक्षण भी दो दिन पहले किया गया।

प्राधिकरण सीईओ आरपी अहिरवार ने बताया कि इन लाइटों को कंट्रोल कमांड सेंटर के जरिए भी संचालित किया जा सकेगा और निगम का जो एआईसीटीएसएल में कंट्रोल एंड कमांड सेंटर है, उससे भी इसे लिंक कर देंगे। इसमें लगे 16 हाईटेक कैमरों की सहायता से यातायात से लेकर अन्य आपराधिक घटनाओं की भी रिकॉर्डिंग पुलिस को हासिल हो सकेगी। आरई-2, जिसके एक हिस्से का निर्माण प्राधिकरण ने बिचौलीहप्सी से कनाड़िया रोड पर किया है, वहां पर ये माइल्ड स्टील लेजर कट पोल सड़क को रोशन करने के साथ एक नई तकनीकी पहचान भी दे रहे हैं।

7 मीटर लम्बाई के 75 पोल अभी स्थापित किए गए हैं और प्रत्येक पोल पर 120 किलोवॉट की 2-2 एलईडी लगाई गई है। आरजीबी पिक्सल की लाइटिंग पोल के लेजर कट हिस्से में लगी है और किसी भी त्योहार, राष्ट्रीय दिवस या अन्य आयोजन के अनुसार उसकी सेटिंग की जा सकती है, जिससे पूरा रोड उत्सवमय नजर आता है। रहवासियों के लिए भी यह एक नया फोटोग्राफिक्स स्पॉट बन गया है और एआई आधारित निगरानी प्रणाली के चलते खराब होने, मेंटेनेंस पर अलर्ट भी मिलता है। मोबाइल और वेब डेशबोर्ड के जरिए रियल टाइम मॉनिटरिंग और कंट्रोल भी संभव है और जनहित के संदेश, त्योहारों के मद्देनजर उसी से संबंधित थीम और कलर भी इन लाइटों के डिस्प्ले में बदले जा सकते हैं। प्राधिकरण के इलेक्ट्रिक ऑफिसर राकेश अखंड के मुताबिक इस तरह के स्मार्ट पोल पहली बार इंदौर ही नहीं, बल्कि संभवतः पूरे प्रदेश में लगाए गए हैं, जो कि इंदौर जैसे स्मार्ट शहरों को और भी बेहतर बनाते हैं। प्राधिकरण सीईओ अहिरवार ने यह भी बताया कि विभिन्न टीपीएस योजनाओं में अभी 1100 करोड़ रुपए के विश्व स्तरीय विद्युत कार्य करवाए जा रहे हैं, जिसमें भूमिगत केबल के साथ-साथ अति उच्च दाब लाइन, विद्युत ग्रेड सब स्टेशन व अन्य कार्य होना है, जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर के विद्युत सलाहकारों की नियुक्ति भी की जाएगी और इसके टेंडर भी बुलवा लिए हैं।

छावनी की सड़क को चौड़ा करना टला तो निगम ने किया पेंचवर्क

राइजिंग इन्दौर
रिपोर्टर

इंदौर इंदौर नगर निगम के द्वारा छावनी में सड़क को चौड़ा करने का काम किया जाना था। यह काम टल गया है। ऐसे में नगर निगम के द्वारा कल रात में छावनी क्षेत्र में सड़क का पेचवर्क कर दिया गया।

मास्टर प्लान के प्रावधान के अनुसार नगर निगम के द्वारा मधु मिलन चौराहा से लेकर अग्रसेन प्रतिमा चौराहा तक की सड़क का चोडीकरण करने का काम किया जाना था। क्षेत्र के नागरिकों के द्वारा सड़क की चौड़ाई कम करने की आवाज उठाई गई। इसके बाद नेता नगरी ने इस आवाज का समर्थन कर दिया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और क्षेत्र के विधायक गोलू शुक्ला के द्वारा अभी सड़क की चौड़ाई को काम करने की घोषणा कर दी गई। इसके बाद निगम के द्वारा इस सड़क को चौड़ा करने का काम शुरू ही नहीं किया गया। अब इस सड़क का काम चल गया है ऐसे में नगर निगम की टीम के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से कल रात को इस सड़क का पैच वर्क कराया गया। इस कार्य को आज सुबह अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने जाकर देखा। मानसून के मौसम में खराब सड़क के कारण नागरिकों को दिक्कत नहीं आए इसके लिए नगर निगम के द्वारा सारे शहर में सड़कों के पैच वर्क के कार्य को शुरू किया गया है। इस कार्य पर निगम के द्वारा 25 करोड रुपए खर्च किए जा रहे हैं।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।